



राष्ट्रीय आवास बैंक

प्रेस विज्ञप्ति

एनएचबी रेजीडेक्स – रिहायशी आवास मूल्य सूचकांक

अक्टूबर-दिसंबर, 2019 तिमाही हेतु अद्यतन

एनएचबी रेजीडेक्स, भारत का पहला आधिकारिक आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई), का जुलाई, 2007 को शुभारंभ किया गया था। यह वर्ष 2007 को आधार वर्ष मानते हुए तिमाही आधार पर चयनित शहरों में रिहायशी संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव का पता लगाता है। वर्तमान व्यष्टि अर्थव्यवस्था परिदृश्य को दर्शाने के लिए एनएचबी रेजीडेक्स को अद्यतित आधार वर्ष, संशोधित कार्यप्रणाली एवं स्वचालित प्रक्रियाओं के साथ सूचकांकों के कलस्टर सहित नया रूप प्रदान किया गया है। नए रूप में तैयार एनएचबी रेजीडेक्स अपने भौगोलिक कवरेज में वृहत है और दो आवास मूल्य सूचकांक अर्थात् 50 शहरों हेतु एचपीआई@ आकलन मूल्य तथा 47 शहरों के लिए निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य, को शामिल करता है। यह कवरेज **भारत में 21 राज्यों तक फैला है जिसमें 18 राज्य/केंद्र शासित राजधानियां और 33 स्मार्ट शहर शामिल हैं।** एनएचबी रेजीडेक्स ने प्रत्येक 50 शहरों के लिए संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य और निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य भी शामिल किए हैं।

मार्च, 2018 तक, उपरोक्त एचपीआई वित्तीय वर्ष 2012-13 को आधार वर्ष के तौर पर मानते हुए तिमाही आधार पर रिहायशी संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव का पता लगाते हैं। अप्रैल-जून, 2018 तिमाही से **आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2017-18 में स्थानांतरित कर दिया गया है।** तीन उत्पाद श्रेणी स्तर नामतः ≤ 60 वर्ग मी., > 60 तथा ≤ 110 वर्ग मी. और > 110 वर्ग मी. के अंतर्गत इकाईयों हेतु शहर स्तर (भारतीय रूप/ वर्ग फीट) पर कारपेट क्षेत्र आकार के आधार पर आवास मूल्यों को वर्गीकृत किया गया है। सूचकांकों की गणना लासपियर्स प्रणाली के उपयोग से की गई है, जिसके बाद नए आधार वर्ष से शुरू करते हुए सभी तिमाहियों में चार तिमाही भारित गतिशील औसत की गणना, भारित गतिशील औसत उत्पाद श्रेणी स्तर के मूल्यों पर उत्पाद श्रेणी स्तर पर गतिशील भार के अनुप्रयोग और स्थिर आधार वर्ष भार के साथ की जाती है।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अक्टूबर-दिसंबर, 2019 तिमाही के दौरान 50 शहरों पर आधारित संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य

- संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य जून, 2013 में 83 पर था और वर्तमान तिमाही यानी दिसंबर, 2019 में 110 पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों में 4.4% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ गया है।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में 4.8% की बढ़ोतरी देखी गई।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अक्टूबर-दिसंबर, 2019 तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य के तहत शहर-वार उतार-चढ़ाव

- एचपीआई ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 37 शहरों में बढ़ोतरी, 8 शहरों में गिरावट और 5 शहरों (भोपाल, गाजियाबाद, मेरठ, पनवेल और विजयवाड़ा) में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है।
- तिमाही के अंत में एचपीआई में वार्षिक वृद्धि हैदराबाद में 18.0% और अहमदाबाद में 16.7% से चाकन में (-7.6%) और दिल्ली में (-6.1%) तक है।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 8 टीयर-1 शहरों में से, 18.0% के साथ हैदराबाद में सबसे अधिक बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद अहमदाबाद 16.7%, बेंगलुरु 8.3%, कोलकाता 5.8%, पुणे 4.7 %, चेन्नै और मुम्बई दोनों 2.9 % पर हैं। दिल्ली में सूचकांक में (-6.1%) की गिरावट देखी गई।

- कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से, वर्ष दर वर्ष आधार पर सूचकांक में तिरुवनंतपुरम (16.3%), गुवाहाटी (15.2%) में सबसे अधिक बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद वडोदरा (14.4%), लुधियाना और रायपुर (13.6%), भुवनेश्वर (12.1%), पटना (11.5%) और लखनऊ (10.7%) पर है, जबकि फरीदाबाद (-2.9%) और वसई विरार (-1.0%) में जबरदस्त गिरावट देखी गई।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, सूचकांकों में 13 टीयर -3 शहरों में से 8 में गांधीनगर (13.9%) में सबसे अधिक वृद्धि देखी गयी, जिसके बाद न्यू टाउन कोलकाता (7.3%) और भिवाड़ी (7.1%) में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गयी। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में चाकन (-7.6%) और नवी मुंबई (-5.6%) में गिरावट देखी गई।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अक्टूबर-दिसंबर, 2019 तिमाही के दौरान 50 शहरों पर आधारित निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य

- निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य जून, 2013 में 85 पर था और वर्तमान तिमाही यानी दिसंबर, 2019 में तेजी से 104 तक की बढ़ोतरी हुई। पिछले कुछ वर्षों में 3.2% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ गया है।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में स्थिरता देखी गई।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अक्टूबर-दिसंबर, 2019 तिमाही के दौरान के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य के अंतर्गत शहर-वार उतार-चढ़ाव

- एचपीआई ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 30 शहरों में बढ़ोतरी, 18 शहरों में गिरावट और 2 शहरों (भोपाल और गाजियाबाद) में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है।
- एचपीआई में वार्षिक वृद्धि अक्टूबर-दिसम्बर, 2019 तिमाही के अंत में पटना में 15.4% से नोएडा में (-7.9%) तक है।
- वार्षिक आधार पर 8 टीयर-1 शहरों में से (13.0%) के साथ हैदराबाद में सबसे अधिक बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद बैंगलुरु (3.0%), अहमदाबाद (1.0%) पर हैं। सूचकांक में दिल्ली (-5.9%), पुणे (-2.9%), मुंबई और चेन्नई में (-1.0%) की गिरावट में देखी गयी।
- कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में सबसे अधिक बढ़ोतरी पटना (15.4%) में देखी गई जिसके बाद वडोदरा (12.1%), इंदौर (9.5%) और जयपुर (5.8%) पर हैं, जबकि सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट नोएडा (-7.9%), फरीदाबाद (-5.4%), गुरुग्राम (-4.8%), कोच्चि (-4.0%), विजयवाड़ा (-3.9%), रांची, लुधियाना, देहरादून और नासिक (-2.0%), चंडीगढ़ (ट्राइसिटी) और मेरठ (-1.0%) में देखी गई है।
- 13 टीयर-3 शहरों में से वर्ष दर वर्ष आधार पर नवी मुंबई में 13.6%, विधान नगर में 7.5%, गांधीनगर में 6.6% और न्यू टाउन कोलकाता में 6.1% से भिवाड़ी में (-6.8%) का अंतर था।

अतिरिक्त जानकारी हेतु जून, 2013 से दिसंबर, 2019 की अवधि के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य एवं निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य के माध्यम से शहर-वार और उत्पाद-वार मूल्य प्रवृत्ति <https://residex.nhbonline.org.in> पर देखी जा सकती है।
